राज एक्सप्रेस 26.5.2019

बीएससी दूसरे और चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 3 व 4 जून से

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की ओर से जून में बीएससी की दो परीक्षाएं ली जा रही है। 3 जून से बीएससी के दूसरे और 4 जून से चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरु हो रही है। परीक्षा सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक ली जाएगी। दूसरे सेमेस्टर एटीकेटी की परीक्षा के पेपर 3 से शुरु होकर 22 जून तक लिए जाएंगे। इसके अंतर्गत बायोकेमिस्ट्री, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र और बायो इंफॉर्मेटिक्स आदि विषय शामिल है। चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 4 से शुरु होकर 24 जून तक ली जाएगी। इसमें भी रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, प्राणी शास्त्र, भूगोल सहित अन्य विषय शामिल हैं। एटीकेटी के स्टूडेंट्स को स्पष्ट कर दिया है कि निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर ही शामिल हो। इसके अंतर्गत दोनों जीडीसी समेत अन्य कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

एमबीए के परीक्षा फॉर्म जमा होना शुरु :

यूनिवर्सिटी एमबीए पूर्णकालीन के दूसरे, चौथे सेमस्टर की परीक्षाएं जल्द लेने वाला है। इसके लिए सामान्य शुल्क में 6 जून तक आवेदन किए जा सकते हैं। विलंब शुल्क 100 रुपए के साथ 10 जून और कुलपति की विशेष अनुमति व विलंब शुल्क 750 रुपए देकर 13 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे। यूनिवर्सिटी की ओर से एमबीए संचालित करने वाले कॉलेजों को स्पष्ट रुपए से कह दिया गया है कि पात्रता और पाठ्यक्रम पूर्ण करने की समयावधि आदि देखने के बाद भी परीक्षा आवेदन पत्र जमा करवाएं। अपात्र और समयावधि के बाद शामिल होने वाले स्टूडेंट्स का परीक्षा परिणाम शून्य होगा।

नईदुनिया

यूनिवर्सिटी के न्यू लॉ कॉले[ज] में मिला कॅरियर मार्गदर्शन

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के गवर्नमेंट न्यू लॉ कॉलेज में मॉडल कॅरियर मार्गदर्शन ... का आयोजन किया गया। वन स्टॉप लीगल टेक ... प्राइवेट लिमिटेड ... सीईओ अनुराग ... के स्टूडेंट्स को ... बेहतर कॅरियर के रास्ते ... युवा पेशेवर श्रम और ... मंत्रालय के राहुल ... के नोडल अधिकारी डॉ. ... श्रीवास्तव के मार्गदर्शन ... आयोजन किया गया। ... की प्रिंसिपल डॉ. शोभा ... स्टूडेंट्स को संबोधित ... उज्ज्वल भविष्य की कामना ... हुए अतिथियों का आभार ...

हर एक स्टूडेंट कैंपस में लगाएगा पेड़, कोर्स करने तक करेगा उसकी देखभाल

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी समेत विभिन्न कॉलेजों को यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने स्टूडेंट्स के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम जगाने के लिए प्रयास करने को कहा है। इसके लिए हर एक स्टूडेंट से एक पेड़ अपने कैंपस में लगवाने और कोर्स करने तक उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए पौधों की व्यवस्था यूनिवर्सिटी या कॉलेज प्रबंधन की ओर से की जाएगी। इसे भी इसी सत्र से लागू करने के लिए कहा गया है।

जानकारी के मुताबिक नए शिक्षण सत्र से कॉलेज व यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले सभी स्टूडेंट्स को कम से कम छह माह का पर्यावरण पर आधारित कोर्स अनिवार्य रुप से पढ़ना होगा। यूजीसी ने सभी यूनिवर्सिटी को पत्र जारी कर दिया है, जिसमें सभी ग्रेजुशन कोर्स में पर्यावरण विषय को शामिल करने के लिए निर्देशित किया गया है। निर्देश का पालन नहीं करने वाले उच्च शिक्षण संस्थान के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की भी चेतावनी दी गई है। इस छह माह के पर्यावरण अध्ययन के लिए यूजीसी द्वारा तैयार किए गए प्रारुप में थ्योरी, प्रैक्टिकल और परीक्षा तीनों को शामिल किया गया है।

100 नंबर की परीक्षा

पूरे पाठ्यक्रम को प्राकृतिक संसाधन, परिस्थितिक प्रणाली, जैव विविधता और इसका संरक्षण, पर्यावरणीय प्रदूषण, सामाजिक समस्याएं एवं पर्यावरण, मानव जनसंख्या एवं पर्यावरण विषयों पर आधारित किया गया है। साथ ही स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल नॉलेज देने पर भी बल दिया गया है। इस छह माह के कोर्स में स्टूडेंट्स को थ्योरी और प्रैक्टिकल की क्लास लेनी होगी। इस कोर्स के पूरा होने के बाद अंत में 100 नंबर की परीक्षा ली जाएगी। इसमें प्रतिभागी को 75 अंक की थ्योरी और 25 अंक का प्रैक्टिकल करवाया जाएगा।